

पाँच मेडिकल संस्थानों में लागू होगी ई-ऑफिस प्रणाली

चर्चा में क्यों?

7 नवंबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पाँच अस्पतालों में ई-हॉस्पिटल प्रणाली लागू करने के लिये धनराशि अवमुक्त करने के निर्देश जारी करते हुए बताया कि पारदर्शिता लाने के लिये सचिवालय की भांति प्रदेश के पाँच मेडिकल संस्थानों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रथम चरण में संजय गांधी पीजीआई, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, केजीएमयू, कल्याण सहि अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान तथा कानपुर स्थिति राजकीय मेडिकल कॉलेज में यह व्यवस्था लागू की जाएगी।
- कार्यदायी संस्था यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन को जल्द से जल्द कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया है।
- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ई-ऑफिस एक डिजिटल वर्क प्लेस साल्यूशन है। अभी इसकी शुरुआत प्रदेश के पाँच अस्पतालों से की गई है। प्रयोग सफल होने पर दूसरे मेडिकल संस्थानों में व्यवस्था लागू की जायेगी। इससे उत्तरदायी, प्रभावी और पारदर्शी कामकाज को बढ़ावा मिलेगा।
- इसका मकसद कार्यालय के सभी पत्र, पत्रावली, फाइल का डिजिटलाइजेशन करना है। इससे फाइल व पत्रावलियों को तलाशना आसान होगा। कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी। फाइलों के गायब होने की आशंका कम होगी। कम समय में फाइलें खोजी जा सकेंगी।



